



**Rajasthan Junior Legal Officer – 2013-14**  
**(Paper-III-Evidence, Limitation & Interpretation)**

1 Which of the following is not a correct match? / निम्न में से कौन-सा सही योग नहीं है ?

- (1) Definition of Admission- Section 17 of the India Evidence Act/ स्वीकृति की परिभाषा- धारा 17 साक्ष्य अधिनियम
- (2) Definition of Expert- Section 45 of the Evidence Act./ विशेषज्ञ की परिभाषा — धारा 45 साक्ष्य अधिनियम
- (3) Definition of Character- Section 55 of the Evidence Act/ चरित्र की परिभाषा — धारा 55 साक्ष्य अधिनियम
- (4) Definition of General Right or custom - Section 13 of the Evidence Act/ सामान्य अधिकार व प्रथा- धारा 13 साक्ष्य अधिनियम

Ans [4]

2 Definition of confession was given by the Privy Council in / प्रिवी कौंसिल द्वारा संस्वीकृति की परिभाषा दी गई थी

- (1) Mirza Akbar V. Emperor AIR 1940 PC 176/ मिर्ज़ा अकबर ब. एम्परर AIR 1940 PC 176.
- (2) Queen Empress V. Abdullah (1885) 7 All 385 (FB)/ क्वीन एम्प्रेस ब. अब्दुल्ला (1885) 7 All 385 (FB)
- (3) Pakla Narayan Swami: V. Emperor AIR 1939 PC 47/ पाकला नारायण स्वामी ब. एम्परर AIR 1939 PC 47
- (4) Pulukuri Kottaya V. Emperor AIR 1947 PC 67/ पुलुकुरी कौट्टैया ब. एम्परर AIR 1947 'PC 67

Ans [3]

3. Which of the following Sections of the Indian, Evidence Act does not deal with criminal matters? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की निम्न में से कौन-सी धारी आपराधिक मामलों से सम्बन्धित नहीं है ?

- (1) Section/ धारा 23
- (2) Section/ धारा 27
- (3) Section/ धारा 53
- (4) Section/ धारा 133

Ans [1]

4 'Admission may be proved against the person who makes them', this rule is contained in Section: / "स्वीकृति करने वाले के विरुद्ध ही साबित की जा सकती है ।" यह नियम उपलब्ध है साक्ष्य अधिनियम की धारा :

- (1) 19 of the Evidence Act/19 में
- (2) 20 of the Evidence Act/20 में
- (3) 21 of the Evidence Act/21 में
- (4) 22 of the Evidence Act/22 में

Ans [3]

5. The previous conviction of an accused shall be relevant to show a particular state of mind and

explanation:/ अभियुक्त की पूर्व दोषसिद्धि किसी विशिष्ट मानसिक स्थिति को बताने के लिये सुसंगत होती है धारा :

- (1) 2 to Section 8/8 की व्याख्या 2 में
- (2) 2 to Section 14/14 की व्याख्या 2 में
- (3) 2 to Section 54/54 की व्याख्या 2 में
- (4) 1 to Section 14/14 की व्याख्या 1 में

Ans [2]

6. An admission made without prejudice shall not be admissible in evidence because of provisions of :/ बिना प्रतिकूल प्रभाव के की गई स्वीकृति साक्ष्य की धारा में ग्राह्य नहीं होगी, साक्ष्य अधिनियम

- (1) Section 23 of the Evidence Act/23 के प्रावधान के कारण
- (2) Section 22 of the Evidence Act/22 के प्रावधान के कारण
- (3) Section 24 of the Evidence Act/24 के प्रावधान के कारण
- (4) Section 21 of the Evidence Act/21 के प्रावधान के कारण

Ans [1]

7. Confession of one accused may be admissible against co-accused/ एक अभियुक्त की संस्वीकृति उसके सह अभियुक्त के विरुद्ध ग्राह्य हो सकती है

- (1) If they are tried jointly but not for the same offence/ यदि उनका संयुक्त विचारण हो रहा हो परन्तु उसी अपराध के लिये नहीं
- (2) If they are tried for the same offence but not jointly/ यदि उनका एक ही अपराध के लिये विचारण हो रहा है पर संयुक्त रूप से नहीं
- (3) If they are tried for different offences and separately/ यदि उनका अलग-अलग अपराधों के लिये अलग-अलग विचारण हो रहा हो
- (4) If they are tried jointly and for the same offence/ यदि उनका एक ही अपराध के लिये संयुक्त विचारण हो रहा हो

Ans [4]

8. Which one of the following is not correct?/ निम्न में से कौन-सा सही नहीं है ?

Statement of a person under Section 32 is relevant/ धारा 32 में व्यक्ति का कथन सुसंगत होगा

- (1) If he is dead/ यदि वह मर गया है
- (2) If he can not be found/ यदि वह मिल नहीं सकता
- (3) If he has become incapable of giving evidence/ यदि वह साक्ष्य देने में असमर्थ हो गया है
- (4) If he does not want to come to make his statement/ यदि वह अपना कथन देने हेतु आना नहीं चाहता

Ans [4]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-1  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
Get Subscription Now

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





9. Which of the following is not secondary evidence ?/ निम्न में से कौन - सा द्वितीयक साक्ष्य नहीं है ?

- (1) Certified copies/ सत्यापित प्रतिलिपि
- (2) Copies made from and compared with the original/ मूल से बनाकर उससे तुलना की गई प्रतियाँ
- (3) Document itself/ दस्तावेज स्वयं
- (4) Counterparts of documents as against the parties who did not execute them/ उन पक्षकारों के विरुद्ध, जिन्होंने उसे निष्पादित नहीं किया है, दस्तावेजों के प्रतिलेख

Ans [3]

10. Under Section 32 a statement against proprietary and pecuniary interest will be relevant under its subsection/ धारा 32 में स्वामित्विक व सांपत्तिक हित के विरुद्ध कथन सुसंगत होगा उपधारा

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

Ans [3]

11. Opinions of third person:/ अन्य व्यक्तियों की राय :

- (1) is not relevant at all/ बिलकुल ही सुसंगत नहीं होती है
- (2) is always relevant/ हमेशा सुसंगत होती है
- (3) will be relevant as per the discretion of the Court/ सुसंगतता न्यायालय के विवेक पर निर्भर करती है
- (4) is relevant upon certain matters only/ कुछ ही बातों के लिये सुसंगत होती है

Ans [4]

12. In criminal cases evidence of character/ अपराधिक मामलों में चरित्र का साक्ष्य

- (1) Is inadmissible/ अग्राह्य है
- (2) Always admissible/ सदैव ग्राह्य है
- (3) Prosecution can give evidence of bad character of the accused / अभियोजन अभियुक्त के बुरे चरित्र का साक्ष्य दे सकता है
- (4) Accused can give evidence of his good character and evidence of bad character is admissible in reply to such evidence / अभियुक्त अच्छे चरित्र का साक्ष्य दे सकता है एवं अभियोजन केवल जवाब में बुरे चरित्र का साक्ष्य दे सकता है

Ans [4]

13. Evidence of character includes evidence of:/ चरित्र के साक्ष्य में सम्मिलित है :

- (1) Reputation only/ केवल ख्याति का साक्ष्य
- (2) Disposition only/ केवल स्वभाव का साक्ष्य
- (3) Particular acts by which reputation or disposition were shown/ वे विशिष्ट कृत्य जिनके द्वारा ख्याति या स्वभाव दर्शित होता है
- (4) General reputation and general disposition/ सामान्य ख्याति व सामान्य स्वभाव

Ans [4]

14. Judicial notice means:/ न्यायिक अवेक्षा से अभिप्राय है :

- (1) Notice given by the Court/ न्यायालय द्वारा दिया गया नोटिस
- (2) Information given to the Court/ न्यायालय को दी गई जानकारी
- (3) to ask for evidence/ साक्ष्य की अपेक्षा करना
- (4) to recognize without proof something as existing/ किसी बात को बिना सबूत के अस्तित्व में मानना या सत्य मानना

Ans [4]

15. The list of judicially noticeable facts is contained in Evidence Act under Section/ न्यायालय द्वारा अवेक्षणीय तथ्यों की सूची उपलब्ध है साक्ष्य अधिनियम की धारा

- (1) 56
- (2) 58
- (3) 57
- (4) 60

Ans [3]

16. The rule as to direct oral evidence is contained in the Evidence Act under Section/ प्रत्यक्ष मौखिक साक्ष्य से संबंधित नियम उपलब्ध है साक्ष्य अधिनियम की धारा

- (1) 60
- (2) 62
- (3) 58
- (4) 64

Ans [1]

17. Which of the following parts of a document which is 30 years old, is not presumed by the court as true?/ दस्तावेज जो 30 वर्ष पुराना है के निम्नलिखित में से दस्तावेज के किस भाग के बारे में न्यायालय द्वारा सत्य होने की उपधारणा नहीं की जाती है ?

- (1) Signature/ हस्ताक्षर
- (2) Date./ दिनांक
- (3) Handwriting/ हस्तलेख
- (4) Contents / अन्तर्वस्तु

Ans [4]

18. A public document can be proved by / लोक दस्तावेज को साबित किया जा सकता है

- (1) Original only/ मूल द्वारा
- (2) Certified copy/ प्रमाणित प्रति द्वारा
- (3) A copy prepared by mechanical process/ यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा तैयार प्रति द्वारा
- (4) Oral account by the person who has seen it/ दस्तावेज को देखने वाले व्यक्ति के मौखिक ब्यौरे द्वारा

Ans [2]

19. An attested document not required to be attested may be proved/ कोई अनुप्रमाणित दस्तावेज जिसके लिये अनुप्रमाणन आवश्यक नहीं है साबित किया जा सकेगा

- (1) by calling at least one attesting witness/ कम से कम एक अनुप्रमाणक साक्षी को बुला कर
- (2) by calling both the witnesses/ दोनों ही अनुप्रमाणक साक्षियों को बुलाना होगा

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-2  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (3) the document can not be proved/ दस्तावेज साबित नहीं किया जा सकता  
(4) without calling the attesting witnesses/ बिना अनुप्रमाणक साक्षियों को बुलायें

Ans [4]

**20. Presumption regarding power of Attorney is / मुख्तारनामा से सम्बन्धित उपधारणा है**

- (1) a presumption of law which is refutable/ विधि की खंडनीय उपधारणा  
(2) a presumption of fact/ तथ्य की उपधारणा है  
(3) an irrefutable presumption of law/ विधि की अखंडनीय उपधारणा  
(4) a presumption of fact and law both/ विधि व तथ्य दोनों प्रकार की उपधारणा है

Ans [1]

**21 The presumption under Section 90 of the Evidence Act is not regarding/ साक्ष्य अधिनियम की धारा 90 के अन्तर्गत उपधारणा सम्बन्धित नहीं है**

- (1) the execution of the document by any person/ दस्तावेज के किसी व्यक्ति द्वारा निष्पादन से  
(2) handwriting and signature of any person/ किसी व्यक्ति के हस्तलेख या हस्ताक्षर से  
(3) attestation of the document/ दस्तावेज के अनुप्रमाणन से  
(4) the truth of the contents of the document/ दस्तावेज की अन्तर्वस्तु की सत्यता से

Ans [4]

**22 Evidence of any fact showing a contemporaneous agreement between the parties to a document varying its terms may be given by/ दस्तावेज के पक्षकारों के मध्य उसके निबन्धनों में हेराफेरी करने वाले समकालीन करार को दर्शित करने वाले तथ्य का साक्ष्य दिया जा सकता है :**

- (1) the plaintiff only/ केवल वादी द्वारा  
(2) the defendant only/ केवल प्रतिवादी द्वारा  
(3) both the parties/ दोनों ही पक्षों द्वारा  
(4) strangers if it affects their interest/ अन्य व्यक्तियों द्वारा यदि इसके द्वारा उनका हित प्रभावित होता है

Ans [4]

**23. Communication between married persons remains protected/ विवाहित व्यक्तियों के मध्य संसूचना संरक्षित रहती है**

- (1) When it is made during continuance of marriage and afterwards marriage is dissolved/ यदि यह विवाह के जारी रहने के दौरान की जाती है तथा बाद में विवाह विच्छेद हो जाता है  
(2) When it is made before marriage and afterwards marriage takes place/ यदि यह विवाह के पूर्व की जाती है परन्तु बाद में विवाह हो जाता है  
(3) When it is made after dissolutions of marriage/ यदि यह विवाह विच्छेद के पश्चात् की जाती है

- (4) In both (1) and (2)/ (1) व (2) दोनों में

Ans [1]

**24 Who propounded the draft of Indian Evidence Act ?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम का प्रारूप तैयार किया था**

- (1) Lord Macaulay/ लार्ड मैकाले ने  
(2) Sir James F. Stephen/ सर जेम्स एफ. स्टीफन ने  
(3) Huxsaly/ हक्सले ने  
(4) Sir Henery Maine/ सर हेनरी मेन ने

Ans [2]

**25. Indian Evidence Act is:/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम है**

- (1) Lex talionis/ लेक्स टेलीनिस  
(2) Lex fori/ लेक्स फोरी  
(3) Lex loci solutionis/ लेक्स लोसी सोल्यूसनिस  
(4) Lex litis/ लेक्स लिटिस

Ans [2]

**26. In which year electronic evidence is included as documentary evidence? / किस वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में सम्मिलित किया गया ?**

- (1) Year/ वर्ष 2001  
(2) Year/ वर्ष 2000  
(3) Year/ वर्ष 2002  
(4) Year/ वर्ष 1999

Ans [3]

**27. The provision relating to conclusive proof is given under section/ निश्चयात्मक प्रमाण से सम्बन्धित प्रावधान है**

- (1) S. 3/ धारा 3  
(2) S. 4/ धारा 4  
(3) S. 5/ धारा 5  
(4) S. 6/ धारा 6

Ans [2]

**28. Facts forming part of same transaction are relevant in which section of Indian Evidence Act ?/ जो तथ्य एक संव्यवहार के भाग है वे साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत सुसंगत है?**

- (1) S. 6/ धारा 6  
(2) S. 7/ धारा 7  
(3) S. 5/ धारा 5  
(4) S. 9/ धारा 9

Ans [1]

**29. In which case Section 27 is held constitutionally valid? / किस प्रकरण में धारा 27 को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया गया था ?**

- (1) Devmann Upadhyaya V. State of U.P./ देवमन उपाध्याय बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-3  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (2) Ahir Raja Khena V. Saurashtra State/ अहिर राजा खेना बनाम सौराष्ट्र राज्य  
 (3) Subramanya Gaunda V. State of Madras/ सुब्रमनिया गौण्डा बनाम मद्रास राज्य  
 (4) Nathu V. State of U.P./ नाथु बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

Ans [1]

30. Out of the following which is not an exception, to Hearsay evidence?/ निम्न में से कौन - सा श्रुति साक्ष्य के नियम का अपवाद नहीं है ?

- (1) Dying Declaration/ मृत्यु कारित घोषणा  
 (2) Res geste/ रेस जेस्ते  
 (3) Expert opinion/ विशेषज्ञ की राय  
 (4) Admission/ संस्वीकृति

Ans [\*]

31. Which Section is based on 'plea 'of alibi' ?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन सी धारा में 'प्ली आफ एलिबि' धारित किया गया है ?

- (1) S. 7/ धारा 7  
 (2) S. 26/ धारा 26  
 (3) S. 49/ धारा 49  
 (4) S. 11/ धारा 11

Ans [4]

32. Confession made in police custody/ पुलिस अभिरक्षा में की गई संस्वीकृति

- (1) Irrelevant/ असंगत  
 (2) Admissible/ ग्राह्य है  
 (3) Inadmissible/ अग्राह्य है  
 (4) Relevant/ सुसंगत है

Ans [3]

33. Which evidence is not admissible ?/ कौन - सा साक्ष्य ग्राह्य नहीं है ?

- (1) Evidence on affidavit/ शपथ पत्रों पर दिया गया  
 (2) Oral evidence/ मौखिक साक्ष्य  
 (3) Documentary evidence/ दस्तावेजी साक्ष्य  
 (4) Expert evidence/ विशेषज्ञ का साक्ष्य

Ans [1]

34. The provision relating to indecent and scandalous question is given U/S/ अशुद्ध और कलंकालम्बक प्रश्न से सम्बन्धित प्रावधान दिये गये है :

- (1) S. 151/ धारा 151  
 (2) S. 152/ धारा 152  
 (3) S. 153/ धारा 153  
 (4) S. 154/ धारा 154

Ans [1]

35. In which of the following conditions a public officer shall not be compelled to disclose the official communication ?/ निम्नलिखित में से किस परिस्थिति में पब्लिक ऑफिसर को शासकीय संसूचनाओं को प्रकट करने के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा ?

- (1) When he considers that public interest would suffer by it/ जबकि वह समझता है कि इससे लोकहित की हानि होगी  
 (2) When he considers that government will be in adverse situation by it/ जबकि वह समझता है कि इससे सरकार विपरीत परिस्थिति में होगी  
 (3) When he considers that he himself will be adversely suffered by it/ जबकि वह समझता है कि इससे उसे स्वयं को हानि होगी  
 (4) When he considers that department will be defamed by it/ जबकि वह समझता है कि इससे विभाग की बदनामी होगी

Ans [1]

36. To prove the execution of a registered will/ एक रजिस्ट्रीकृत बिल का निष्पादन सिद्ध करने के लिए

- (1) Atleast two attesting witnesses must be called/ कम से कम दो अनुप्रमाणक साक्षी को बुलाना आवश्यक होगा  
 (2) Atleast one attesting witness must be called/ कम से कम एक अनुप्रमाणक साक्षी को बुलाना आवश्यक होगा  
 (3) It is not essential to call any attesting witness/ किसी भी अनुप्रमाणक साक्षी को बुलाना आवश्यक नहीं होगा  
 (4) It is essential to call registrar/ रजिस्ट्रार को बुलाना आवश्यक होगा

Ans [2]

37. One of the important principle is that "Evidence to be weighted and not numbered" is inherent in which of the Section of Indian Evidence Act, 1872 ?/ साक्ष्य विधि का एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त है कि "साक्ष्य को तोला जाए, गिना न जाए" यह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की किस धारा में मुख्य रूप से समाहित है ?

- (1) S. 132/ धारा 132 में  
 (2) S. 133/ धारा 133 में  
 (3) S. 123/ धारा 123 में  
 (4) S. 134/ धारा 134 में

Ans [4]

38. Leading question can be asked in/ सूचक प्रश्न पूछा जा सकता है

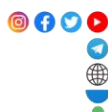
- (1) Examination in chief/ मुख्य परीक्षा में  
 (2) Cross examination/ प्रति - परीक्षा में  
 (3) Re-examination/ पुनः परीक्षा में  
 (4) All of the above/ उपर्युक्त सभी में

Ans [2]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
 Linking Laws Tansukh Sir Page-4  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
 Get Subscription Now

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





39. Which Section of Indian Evidence Act provides for refreshing memory? / स्मृति ताजा करने से सम्बन्धित प्रावधान भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन-सी धारा में है ?

- (1) S. 153/ धारा 153
- (2) S. 159/ धारा 159
- (3) S. 158/ धारा 158
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [2]

40. Which Section of Evidence Act talks of Hostile witness? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन-सी धारा 'पक्षद्रोही साक्षी' की बात करती है ?

- (1) S. 134/ धारा 134
- (2) S. 154/ धारा 154
- (3) S. 155/ धारा 155
- (4) S. 157/ धारा 157

Ans [2]

41. Section 107 of Indian Evidence Act, 1872 makes presumption about./ भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 107 किस सम्बन्ध में अवधारणा का प्रावधान करती है ?

- (1) Life/ जीवन
- (2) Death/ मृत्यु
- (3) Long life/ दीर्घायु
- (4) Legitimacy/ धर्मजत्व

Ans [1]

42. Section 112 of Evidence Act, 1872 applied when there is a dispute relating to the :/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 112 लागू होती है जब विवाद का सम्बन्ध

- (1) Maternity of child/ बच्चे के मातृत्व से हो
- (2) Paternity of child/ बच्चे के पितृत्व से हो
- (3) Maternity and paternity of child both/ बच्चे के मातृत्व व पितृत्व दोनों से हो
- (4) Neither maternity nor paternity of child/ बच्चे के मातृत्व व पितृत्व दोनों से ही नहीं हो

Ans [2]

43. A witness who is unable to speak gives his evidence in writing in open court. Such type of evidence is known as/ बोलने में असमर्थ एक साक्षी अपना साक्ष्य खुले न्यायालय में लिखकर देता है, इस प्रकार दिया गया साक्ष्य समझा जायेगा :

- (1) Oral evidence/ मौखिक साक्ष्य
- (2) Primary evidence/ प्राथमिक साक्ष्य
- (3) Documentary evidence/ अभिलेखीय साक्ष्य
- (4) Secondary evidence/ द्वितीयक साक्ष्य

Ans [1]

44. Under which :: Section of the Indian Evidence Act, order of examination (examination-in-chief, cross

examination and re-examination) has been provided?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में परीक्षाओं का क्रम (मुख्य परीक्षा, प्रतिपरीक्षा पुनः परीक्षा) के बारे में बताया गया है ?

- (1) S. 137/ धारा 137
- (2) S. 138/ धारा 138
- (3) S. 141/ धारा 141
- (4) S. 144/ धारा 144

Ans [2]

45. On whom burden of proof lies in criminal cases? / दाण्डिक कार्यवाहियों में सबूत का भार होता है:

- (1) Accused/ अभियुक्त पर
- (2) Prosecution/ अभियोजन पर
- (3) Dependent on the discretion of the court/ न्यायालय पर
- (4) Dependent on the facts and circumstances of the case/ तथ्यों और परिस्थितियों पर

Ans [2]

46. From which date Indian Evidence Act came into force? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम किस दिन से प्रभावी हुआ ?

- (1) 15th March, 1872/ 15 मार्च, 1872
- (2) 1st September, 1872/ 1 सितम्बर, 1872
- (3) 15th August, 1872/ 15 अगस्त, 1872
- (4) 15th September, 1872/ 15 सितम्बर, 1872

Ans [2]

47. Section 2 of the Indian Evidence Act was repealed by/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 2 किस अधिनियम से निरसित की गई ?

- (1) Repealing Act, 1948/ निरसन अधिनियम, 1948
- (2) Repealing Act, 1945/ निरसन अधिनियम, 1945
- (3) Repealing Act, 1938/ निरसन अधिनियम, 1938
- (4) Repealing Act, 1883/ निरसन अधिनियम, 1883

Ans [3]

48. Which word has not been defined by Section 3 of the Indian Evidence Act? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 3 में किस शब्द की परिभाषा नहीं दी गई है ?

- (1) India/ भारत
- (2) May presume/ उपधारणा कर सकता
- (3) Court/ न्यायालय
- (4) Disproved/ असिद्ध

Ans [2]

49. Court can presume about the legality of digital signature which is part of old record/ कितने वर्ष पुराने इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड पर डिजिटल हस्ताक्षर की वैधता के बारे में न्यायालय उपधारणा कर सकता है ?

- (1) 30 years/ 30 वर्ष

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-5  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (2) 15 years/15 वर्ष
- (3) 5 years/5 वर्ष
- (4) 12 years/12 वर्ष

Ans [3]

50. Which of the following Sections of Indian Evidence Act, 1872 states the rule about the "evidence as to document unmeaning in reference to existing facts" ?/ निम्नलिखित में से भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की कौन-सी धारा "विद्यमान तथ्यों के संदर्भ में अर्थहीन दस्तावेज के बारे में साक्ष्य" के नियम को बताती है ?

- (1) Section 95/ धारा 95
- (2) Section 96/ धारा 96
- (3) Section 97/ धारा 97
- (4) Section 98/ धारा 98

Ans [1]

51 To which of the following does the Evidence Act apply?/ निम्नलिखित में से किस पर साक्ष्य अधिनियम लागू होता है ?

- (1) Non-judicial proceedings/ गैर न्यायिक कार्यवाहियाँ
- (2) Affidavits/ शपथ पत्र
- (3) Judicial proceedings/ न्यायिक कार्यवाहियाँ
- (4) Arbitration proceedings/ माध्यस्थम कार्यवाहियाँ

Ans [3]

52 Fact according to the Evidence Act means and includes/ साक्ष्य अधिनियम के अनुसार 'तथ्य' शब्द से अभिप्राय है एवम् इसमें सम्मिलित हैं

- (1) An existing thing/ कोई वस्तु जो अस्तित्व में है
- (2) Only a mental condition of which a person is conscious/ केवल कोई मानसिक अवस्था जिसके प्रति कोई व्यक्ति सजग है
- (3) Only a visible thing/ केवल कोई दृश्यमान वस्तु
- (4) Any tangible and visible thing and it includes statements, feelings, opinions and state of mind/ कोई भौतिक एवं दृश्यमान वस्तु तथा इसमें कोई कथन, भावनाएँ, राय एवं मानसिक स्थिति सम्मिलित है

Ans [4]

53. Which of the following options falls within the definition of Evidence given in the Evidence Act? / निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प साक्ष्य अधिनियम में की गई साक्ष्य की परिभाषा में आता है ?

- (1) Facts of which the Court takes judicial notice वे तथ्य जिनकी न्यायालय न्यायिक अवस्था करता है
- (2) The demeanour of the witness/ साक्षी का व्यवहार
- (3) Memorandum prepared by the criminal and civil court during local inspection/ स्थानीय निरीक्षण के दौरान सिविल या आपराधिक न्यायालय द्वारा बनाया गया ज्ञापन

- (4) Any statement made by the witness and all documents produced for the inspection of the Court/ किसी साक्षी द्वारा किया गया कोई कथन तथा न्यायालय के निरीक्षणार्थ प्रस्तुत किया गया कोई दस्तावेज

Ans [4]

54 Presumption of Fact under the Evidence Act/ साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत तथ्य की उपधारणा

- (1) is based on logic, human experience and law of nature/ तर्क, मानवीय अनुभव एवं प्रकृति की विधि पर आधारित
- (2) is based on provisions of law/ विधि के प्रावधानों पर आधारित है
- (3) can not be ignored by the court/ वह होती है जिसकी न्यायालय उपेक्षा नहीं कर सकता
- (4) is of a certain and uniform position/ की स्थिति निश्चित एवं समरूप होती है

Ans [1]

55. In any suit or proceedings evidence may be given of the/ किसी वाद या कार्यवाही में साक्ष्य दी जा सकती है

- (1) existence or non-existence of every fact in issue only/ केवल प्रत्येक विवादक तथ्य के अस्तित्व एवं अनस्तित्व की
- (2) existence or non-existence of every relevant fact only/ केवल प्रत्येक सुसंगत तथ्य के अस्तित्व एवं अनस्तित्व की
- (3) every fact which is connected with a relevant fact or fact in issue./ प्रत्येक तथ्य की जो किसी विवादक तथ्य या सुसंगत तथ्य से जुड़ा हो
- (4) existence or non-existence of every fact in issue and of such other facts which are declared to be relevant by the Evidence Act/ प्रत्येक विवादक तथ्य एवं ऐसे अन्य तथ्य के अस्तित्व एवं अनस्तित्व की जिसे साक्ष्य अधिनियम द्वारा सुसंगत घोषित किया गया है

Ans [4]

56. The question is whether 'A' robbed 'B' ?/ प्रश्न यह है कि क्या 'अ' ने 'ब' को लूटा ?

Under which of the following options this fact will be relevant that shortly before the robbery 'B' went to a fair with money in his possession and that he showed it to some one else?/ निम्न में से कौनसे विकल्प के अन्तर्गत यह तथ्य सुसंगत होगा कि लूट के तुरन्त पूर्व 'ब' अपने साथ पैसे लेकर मेले में गया तथा उसने इसे किसी अन्य को दिखाया ?

- (1) Section 6 of the Evidence Act/ धारा 6 साक्ष्य अधिनियम
- (2) Section 7 of the Evidence Act/ धारा 7 साक्ष्य अधिनियम
- (3) Section 9 of the Evidence Act/ धारा 9 साक्ष्य अधिनियम
- (4) Section 11 of the Evidence Act/ धारा 11 साक्ष्य अधिनियम

Ans [2]

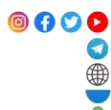
57. Conduct of the parties is relevant under Section / पक्षकारों का आचरण सुसंगत होता है.

- (1) 10 of the Evidence Act/ धारा 10 साक्ष्य अधिनियम में

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-6  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (2) 8 of the Evidence Act / धारा 8 साक्ष्य अधिनियम में
- (3) 9 of the Evidence Act / धारा 9 साक्ष्य अधिनियम में
- (4) 12 of the Evidence Act / धारा 12 साक्ष्य अधिनियम में

Ans [2]

58. When the question is as to the existence of any right or custom the existence of any transaction by which it was created, claimed will be relevant under Section/ जब प्रश्न यह हो कि किसी अधिकार या प्रथा का अस्तित्व है या नहीं तब किसी ऐसे संव्यवहार का अस्तित्व जिसके द्वारा इसका सृजन किया गया था, दावा किया गया है सुसंगत होगा धारा :

- (1) 13 of the Evidence Act/13 साक्ष्य अधिनियम में
- (2) 48 of the Evidence Act/48 साक्ष्य अधिनियम में
- (3) 32 of the Evidence Act/32 साक्ष्य अधिनियम में
- (4) 11 of the Evidence Act/11 साक्ष्य अधिनियम में

Ans [1]

59 Which of the following statements comes under the term 'confession' ?/ निम्न में से कौन सा कथन 'संस्वीकृति' के अन्तर्गत आता है ?

- (1) When accused admits the commission of crime committed by his relative/ जब अभियुक्त अपने रिस्तेदार द्वारा अपराध कारित करने की बात स्वीकार करता है
- (2) When accused admits the commission of crime by his own or admits the facts which constitute the crime/ जब अभियुक्त स्वयं के द्वारा अपराध कारित को या उन तथ्यों को जो अपराध गठित करते हैं, स्वीकार करता है
- (3) When accused admits that commission of crime was done by other person on his advice/ जब अभियुक्त यह स्वीकार करता है की उसकी सलाह पर किसी अन्य व्यक्ति ने अपराध किया है
- (4) When the accused admits commission of crime before the police officer/ जब अभियुक्ति पुलिस अधिकारी के समक्ष अपराध करने का स्वीकार करता है

Ans [2]

60. 'A' is accused of fraudulently delivering to 'B' a counterfeit rupee. The question is whether the delivery of the rupee was accidental. The fact that soon before or after the delivery to 'B', 'A' delivered counterfeit rupees to 'C', 'D' and 'E' are relevant as showing that the delivery to 'B' was not accidental under Section/'अ', 'ब' को कोई सिक्का जो की कूटकृत है कपटपूर्वक परिदान करने का अभियुक्त है। प्रश्न यह है की क्या रुपये का परिदान आकस्मिक था ? यह तथ्य की 'ब' को परिदान के तुरन्त पूर्व या तुरन्त पश्चात् 'अ' ने 'स', 'द' व 'इ' को कूटकृत सिक्के परिदान किये सुसंगत है यह बताने के लिये कि 'ब' को परिदान आकस्मिक नहीं था

- (1) 13 of the Evidence Act/ धारा 13 साक्ष्य अधिनियम में
- (2) 14 of the Evidence Act/ धारा 14 साक्ष्य अधिनियम में
- (3) 15 of the Evidence Act/ धारा 15 साक्ष्य अधिनियम में
- (4) 12 of the Evidence Act/ धारा 12 साक्ष्य अधिनियम में

Ans [3]

61. When a person entitled to institute a suit is at the time from which the period of limitation is reconed is suffering from legal disability, he will have to institute the suit/ जब कोई व्यक्ति जो कि दावा करने का अधिकारी है उस समय जब से मर्यादा काल प्रारंभ होता है किसी विधिक नियोग्यता से ग्रसित है तब उसे दावा करना होगा

- (1) Within three years from the cessation of disability/ नियोग्यता के समाप्त होने से तीन वर्ष के भीतर
- (2) Within five years from the cessation of disability/ नियोग्यता के समाप्त होने से पाँच वर्ष के भीतर
- (3) Immediately after the cessation of disability/ नियोग्यता के समाप्त होने के तुरन्त बाद
- (4) Within three years from the cessation of disability or within remaining period of limitation if it is more than three years/ नियोग्यता के समाप्त होने से तीन वर्ष के भीतर या बचे हुए समय के भीतर यदि यह तीन वर्ष से अधिक हो

Ans [4]

62. Where in any case of any suit for which a period of limitation is prescribed by the Limitation Act and the suit is based upon the fraud of the defendant the period of limitation will begin to run/ जहाँ किसी वाद के मामले में जहाँ कोई मर्यादा अवधि मर्यादा अधिनियम द्वारा निर्दिष्ट की गई है तथा वाद प्रतिवादी के कपट पर आधारित है वहाँ मर्यादा अवधि प्रारंभ होगी

- (1) from the date of commission of fraud/ कपट किये जाने के दिनांक से
- (2) from any time after the commission of fraud/ कपट किये जाने से बाद के किसी समय से
- (3) fraud will have no effect on period of limitation/ मर्यादा अवधि पर कपट का प्रभाव नहीं होगा
- (4) when the plaintiff has discovered the fraud or could with reasonable diligence have discovered it/ जब वादी ने कपट का पता लगा लिया है या समुचित उद्यम से

Ans [4]

63. Limitation Act came into force on/ परिसीमा अधिनियम कब प्रवर्तित हुआ ?

- (1) 5th Oct. 1963 / 5 अक्टूबर 1963
- (2) 11<sup>th</sup> Nov. 1963 / 11 नवम्बर 1963
- (3) 30th Dec. 1963 / 30 दिसम्बर 1963
- (4) 1st Jan. 1964 / 1 जनवरी 1964

Ans [4]

64. Limitation Act/ परिसीमा अधिनियम का

- (1) Has to be constructed strictly/ कठोर अर्थान्वयन होना चाहिए
- (2) Is an exhaustive code/ यह एक सुविस्तृत संहिता है
- (3) Is a rule of procedures/ प्रक्रिया का नियम है

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-7  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





(4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

65. Where no period is prescribed for exercise of power in statute like Limitation Act such power must be exercised/ जब किसी विधि जैसे परिसीमा अधिनियम में किसी शक्ति को क्रियान्वयन करने का समय न दिया हो तो ऐसी शक्तियाँ का क्रियान्वयन किया जा सकता है :

- (1) within reasonable time/ युक्तियुक्त समय में
- (2) within maximum time/ ज्यादा समय में
- (3) within minimum time/ कम समय में
- (4) depends upon the Court's decision/ न्यायालय के निर्णय पर

Ans [1]

66. Period of Limitation stands extended by virtue of Section 6 of the Limitation Act for a maximum period of :/ परिसीमा अधिनियम की धारा 6 के अधीन परिसीमा की बढ़ाई गई अवधि ज्यादा से ज्यादा होगी

- (1) 1 year/ 1 साल
- (2) 2 years/ 2 साल
- (3) 3 years/ 3 साल
- (4) 12 years/ 12 साल

Ans [3]

67. For a suit filed by or on behalf of govt. the period of limitation is:/ सरकार की तरफ से और द्वारा वाद दायर करने पर परिसीमा अवधि होगी

- (1) 1 year/ 1 साल
- (2) 3 years/ 3 साल
- (3) 12 years/ 12 साल
- (4) 30 years/ 30 साल

Ans [4]

68. Sec. 13 of Limitation Act applies to/ परिसीमा अधिनियम की धारा 13 लागू होती है

- (1) Suits filed in form a pauperis/ अकिंचन के रूप में वाद दायर किया हो
- (2) Appeal filed in form a pauperis/ अकिंचन के रूप में अपील की हो
- (3) Both (1) and (2)/ दोनों (1) और (2)
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [3]

69. "The condonation of delay" under Limitation Act has been dealt under/ परिसीमा अधिनियम की किस धारा में विलम्ब में देरी को माफ करने का प्रावधान है ?

- (1) Section/ धारा 10
- (2) Section/ धारा 8
- (3) Section/ धारा 5
- (4) Section/ धारा 7

Ans [3]

70. The period of limitation for setting aside a sale in execution of a decree is / डिक्री के निष्पादन में की गई बिक्री को अपास्त करने की समय सीमा कितनी है ?

- (1) One year/ एक वर्ष
- (2) 60 days/ साठ दिन
- (3) 180 days/ एकसौ अस्सी दिन
- (4) 90 days/ नब्बे दिन

Ans [2]

71. Section 14 of the Limitation Act applies to : / परिसीमा अधिनियम की धारा 14 किस पर लागू होती है ?

- (1) Appeal/ अपील
- (2) Revision/ पुनरीक्षण
- (3) Execution/ निष्पादन
- (4) Suit/ दावा

Ans [4]

72. The period of limitation for filing a suit for specific performance is/ विनिर्दिष्ट पालन का दावा दायर करने की समय सीमा कितनी है ?

- (1) Two years/ दो वर्ष
- (2) Thirty years/ तीस वर्ष
- (3) Twelve years/ बारह वर्ष
- (4) Three years/ तीन वर्ष

Ans [4]

73. Period of limitation for execution of a decree is/ डिक्री के निष्पादन की समय सीमा है

- (1) Twelve years/ बारह वर्ष
- (2) Three years/ तीन वर्ष
- (3) One year/ एक वर्ष
- (4) 90 days/ नब्बे दिन

Ans [1]

74. Easementary right under Section 25 of Limitation Act can be acquired by/ परिसीमा अधिनियम की धारा 25 के तहत सुखाधिकार प्राप्त करने का अधिकारी है

- (1) Co-owner/ सह स्वामी
- (2) Tenant/ किरायेदार
- (3) Both tenant and co-owner/ किरायेदार एवं सह स्वामी दोनों
- (4) Neither tenant nor co-owner/ न तो सह स्वामी और न ही किरायेदार

Ans [\*]

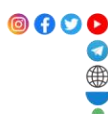
75. Under the Limitation Act, 1963 'Applicant' means / मर्यादा अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत 'आवेदक' से अभिप्राय है

- (1) A petitioner/ कोई याचिकाकर्ता

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-8  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







- (2) Person from or through whom an applicant derives his title/ कोई व्यक्ति जिससे या जिसके द्वारा कोई आवेदक आवेदन का अधिकार प्राप्त करता है
- (3) Any person whose estate is represented by the applicant as executor administration or other representative/ कोई व्यक्ति जिसकी सम्पदा का प्रतिनिधित्व आवेदक द्वारा निष्पादक, प्रशासक या अन्य प्रतिनिधि की भाँति किया जाता है
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

**76. The provision relating to Bar of limitation is 'contained in Section :/ मर्यादा के अवरोध से सम्बन्धित प्रावधान है. मर्यादा अधिनियम की धारा**

- (1) 3 of the Limitation Act
- (2) 4 of the Limitation Act
- (3) 5 of the Limitation Act
- (4) 6 of the Limitation Act

Ans [1]

**77. Where the prescribed period for any suit, appeal or application expires on a day on which the Court is closed / जहाँ किसी वाद, अपील या आवेदन के लिये वर्णित मर्यादा अवधि उस दिवस को समाप्त होती है जबकि न्यायालय बन्द है तब उसे**

- (1) Same can not be instituted or preferred or made afterwards/ बाद में उसे नहीं किया जा सकता
- (2) With the permission of the Court may be instituted, preferred or made afterwards/ न्यायालय की अनुमति से बाद में किया जा सकता
- (3) A fresh period of limitation will be available/ एक नवीन मर्यादा काल उपलब्ध होगा
- (4) The suit appeal or application may be instituted, preferred or made when the Court reopens/ वाद अपील या आवेदन उस दिन किया जा सकता है जब न्यायालय पुनःखुलता हो

Ans [4]

**78. When a person entitled to institute a suit is suffering from a legal disability he may institute the suit within the same period after the disability has ceased as would otherwise have been allowed under Section:/ जहाँ कोई व्यक्ति जो कोई दावा करने का हकदार है किसी विधिक नियोग्यता से ग्रसित है, वह नियोग्यता के समाप्त होने के पश्चात् उतने ही समय में दावा कर सकता है जितने में कि वह नियोग्यता न होने की स्थिति में कर सकता था**

- (1) 5 of the Limitation Act/ मर्यादा अधिनियम की धारा 5 में
- (2) 3 of the Limitation Act/ मर्यादा अधिनियम की धारा 3 में
- (3) 10 of the Limitation Act/ मर्यादा अधिनियम की धारा 10 में
- (4) 6 of the Limitation Act/ मर्यादा अधिनियम की धारा 6 में

Ans [4]

**79. When a person under disability dies after the disability ceases but within the period allowed to him under Section 6 his legal representative/ जब कोई व्यक्ति जो नियोग्यता से ग्रसित हो उसकी मृत्यु हो जाती है नियोग्यता समाप्त होने के पश्चात् परन्तु उतने समय के भीतर जिसकी उसे धारा 6 में अनुमति है, तब उसका विधिक प्रतिनिधि**

- (1) May not institute the suit after the death/ उसकी मृत्यु के पश्चात् दावा नहीं कर सकता है
- (2) Will get a fresh period of limitation from the date of death/ मृत्यु की दिनांक से एक नवीन मर्यादाकाल प्राप्त करेगा
- (3) The period for which the deceased remained under disability will be added to the remaining period/ जितने समय तक मृतक नियोग्यता से ग्रसित रहा वह समय बचे हुए समय में जोड़ दिया जायेगा
- (4) May institute the suit within the same period after the death as would otherwise have been available to that person had he not died/ उतने ही समय के भीतर दावा कर पायेगा जितना की उस व्यक्ति को मिलता यदि उसकी मृत्यु न हुई होती

Ans [4]

**80. When one of several persons jointly entitled to institute a suit is under any disability and a discharge can be given without the concurrence of such person/ जब कई व्यक्तियों में से जो कि संयुक्त रूप से वाद संस्थित करने के अधिकारी है एक यदि किसी नियोग्यता से ग्रसित है तथा ऐसे व्यक्ति की सहमति के बिना वैध उन्मोचन दिया जा सकता तब**

- (1) The time will not run against any of them/ उनमें से किसी के भी विरुद्ध समय व्यतीत होना प्रारंभ नहीं होगा
- (2) The time will run against all of them/ सभी के विरुद्ध समय व्यतीत होना प्रारंभ हो जायेगा
- (3) The time will run against all of them except the disable person/ सभी के विरुद्ध समय व्यतीत होना प्रारंभ हो जायेगा केवल नियोग्य व्यक्ति को छोड़कर
- (4) The time will not run against them all but against the disable it will run after the disability is ceased/ सभी के विरुद्ध समय व्यतीत होना प्रारंभ हो जायेगा परन्तु नियोग्य व्यक्ति के विरुद्ध तभी व्यतीत होना प्रारंभ होगा जब नियोग्यता समाप्त हो जाती है

Ans [2]

**81. Repeal of Law means/ विधि के निरसन से तात्पर्य है**

- (1) Law is amended/ विधि में संशोधन से
- (2) Law is in existence/ विधि अस्तित्व में है
- (3) Law is not in existence/ विधि अस्तित्व में नहीं है
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

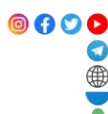
Ans [3]

**82. Where there is a conflict between specific law and general law, which law is applicable ?/ जब विशिष्ट**

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-9  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for  
RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J,  
HCS (JB), GJS, & Other  
State Judiciary and Law Exams.





कानून एवं सामान्य कानून के मध्य विरोधाभास हो तो ऐसी अवस्था में कौन - सा कानून मान्य होगा ?

- (1) Specific law/ विशिष्ट कानून
- (2) General law/ सामान्य कानून
- (3) Both (1) and (2)/ दोनों (1) व (2)
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

83. Which of the following is true meaning of the latin maxim "expressio unius est exclusio alterius"?/ लेटिन सूत्र "एक्सप्रेसियो यूनिजस एस्ट एक्सक्लूजियो अल्टेरियस ( expressio unius est exclusio alterius) का निम्नलिखित में से सही अर्थ कौन-सा है ?

- (1) Express mention of one thing implies the exclusion of no one/ किसी वस्तु (चीज) का अभिव्यक्त उल्लेख किसी के भी अपवर्जन को इंगित नहीं करता है ।
- (2) Express mention of one thing implies the exclusion of another/ किसी वस्तु (चीज) का अभिव्यक्त उल्लेख दूसरे के अपवर्जन से इंगित करता है ।
- (3) Express mention of one thing implies inclusion of another/ किसी वस्तु (चीज) का अभिव्यक्त उल्लेख दूसरे के शामिल होने को इंगित करता है ।
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans [2]

84 Which statute can be given retrospective effect by parliament by specifically mentioned in the statute? / कौन-से कानून का विधायिका द्वारा संविधि में स्पष्टतः उल्लेख करके भूतलक्षी प्रभाव दिया जा सकता है ?

- (1) Criminal law/ दण्डिक कानून
- (2) Tax law/ कर कानून
- (3) Evidence law/ साक्ष्य कानून
- (4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [\*]

85. Principle of 'Eclipse' is provided under which Article of the Constitution?/ संविधान के किस अनुच्छेद में 'ग्रहण' के सिद्धान्त के बारे में बताया गया है ?

- (1) Article 13 (1)/ अनु. 13 (1)
- (2) Article 13 (2)/ अनु. 13 (2)
- (3) Article 13(3)/ अनु. 13 (3)
- (4) Article 13 (4)/ अनु. 13 (4)

Ans [1]

86. Internal aid to interpretations are:/ निर्वचन के आन्तरिक सहयोगी हैं :

- (1) Title/ शीर्षक
- (2) Marginal note/ पार्श्वटिप्पणी
- (3) Proviso/ परन्तुक
- (4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

87. External aid to interpretation are:/ निर्वचन के बाह्य सहयोगी हैं :

- (1) Dictionary/ शब्दकोश
- (2) Text book/ पाठ्यपुस्तक
- (3) Legislation History/ विधायी इतिहास
- (4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

88. Doctrine of colourable legislation means / छद्म विधायन के सिद्धान्त का अभिप्राय है --

- (1) What can not be done directly can not be done indirectly/जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता वह अप्रत्यक्ष रूप से भी नहीं किया जा सकता
- (2) What can be done directly can not be done indirectly/ जो प्रत्यक्ष रूप से से किया जा सकता हो वह अप्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता
- (3) What can not be done directly can be done indirectly / जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता वह अप्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता
- (4) What can be done indirectly can not be done directly / जो अप्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है वह प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता है

Ans [1]

89. State which one of the following statements is correct?/ बताइये की निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

- (1) The use of word 'must gives a discretionary power/ करना होगा (must) शब्द का प्रयोग विवेक की शक्ति देता है
- (2) The use of word 'may' make the provision mandatory/' कर सकेगा ' ( may) शब्द का प्रयोग प्रावधान को आज्ञापक बनाता है
- (3) The use of word' should' make the provision directory even if the context shows otherwise/ करना चाहिये ( should ) शब्द का प्रयोग प्रावधान को निदेशात्मक बनाता है चाहे संदर्भ अन्यथा बताता हो
- (4) The use of word 'shall' raises the presumption that the provision is imperative/'करेगा' ( shall ) शब्द का प्रयोग यह उपधारणा करता है कि विशिष्ट प्रावधान आज्ञापक है

Ans [4]

90. An ambiguous statute should be interpreted to make it/ एक संदिग्ध संविधि की व्याख्या इस प्रकार की जानी चाहिए

- (1) Void/ कि वह शून्य हो जायें
- (2) Partly workable/ कि वह आंशिक रूप से बनी रह सके
- (3) Workable in all respects/ कि वह पूर्ण रूप से बनी रह सके
- (4) Not workable/ कि वह बनी न रह सके

Ans [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-10  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





91. **The literal or grammatical interpretation means that the words of an enactment.../ शाब्दिक या व्याकरणिक व्याख्या से अभिप्राय है की विधान के शब्दों का इस प्रकार अर्थ दिया जाये की**

- (1) are to be given their ordinary and natural meaning/ उनका सामान्य व स्वाभाविक अर्थ निकले
- (2) are interpreted in such a way that they suppress the mischief/ कि वे रिष्टि को दबायें
- (3) if the natural meaning results in hardship then to avoid it meaning should be modified/ स्वाभाविक अर्थ देने से कठिनाई उत्पन्न होती हो तो उसे रोकने के लिये अर्थ में परिवर्तन किया जाय
- (4) should be given according to the intention of the legislature/ विधायिका के आशय के अनुसार अर्थ दिया जाय

Ans [1]

92. **The mischief rule of interpretation originated in/ व्याख्या का रिष्टि नियम उद्भूत हुआ है**

- (1) Heyden's case/ हेडन प्रकरण से
- (2) Bengal Immunity Co. V. State of Bihar/ बंगाल इम्युनिटी कम्पनी ब. बिहार राज्य
- (3) R. M. D. Chamarbaugvala V. Bharat Sangh/ आर. एम. डी. चमारबाउगवाला ब. भारत संघ
- (4) Mangu Singh V. Election Tribunal/ मांगू सिंह ब. इलेक्शन ट्रिब्यूनल

Ans [1]

93. **Noscitur a sociis mean/ नोसिटर एसोसिस ( साहचर्यण जायते) का अभिप्राय है :**

- (1) Harmonious construction of repugnant provisions/ विरोधाभासी प्रावधानों की समन्वयकारी व्याख्या
- (2) Construction which makes the systems effective/ वह व्याख्या जो व्यवस्था को प्रभावी बनाती है
- (3) Expression used many times must be given same meaning every time/ कई बार प्रयोग की गई अभिव्यक्ति को हर बार एक अर्थ दिया जाना
- (4) Words susceptible of analogous meaning if used together are given cognate meaning/ साथ - साथ प्रायुक्त समरूप अर्थ वाले शब्दों को सजातीय अर्थ में समझना

Ans [4]

94. **Beneficial construction means/ हितकारी व्याख्या का अभिप्राय है —**

- (1) If the words clearly omit certain cases the words can not be strained to include them/ यदि शब्द स्पष्ट रूप से कुछ बातों को छोड़ते है तो उन्हें सम्मिलित करने के लिये शब्दों को खींचा नहीं जायेगा
- (2) Where the language fails to achieve the object, more extended meaning could be given to it to achieve the object if the language is susceptible of it/ यदि भाषा उद्देश्य को प्राप्त करने में असफल रहती है तो यदि भाषा

में ऐसी संभावना हो तो आशय को प्राप्त करने हेतु उसे विस्तारित अर्थ दिया जा सकता है

- (3) In case of criminal statute the benefit of doubt should be given to the accused/ आपराधिक विधि में संदेह का लाभ अभियुक्त को दिया जाना चाहिये
- (4) A person can not be taxed unless the language clearly imposes the obligation/ किसी व्यक्ति को जब तक भाषा स्पष्ट रूप से आरोपित न करे कर नहीं लगाया जाना चाहिए

Ans [2]

95. **An offence was punishable with imprisonment and fine. The accused committed the offence. The Act was amended and the punishment in the form of fine was enhanced. The court held that this enhanced punishment could not be meted out to the offender. The court applied/ कोई अपराध — कारावास व जुर्माना दोनों से दण्डनीय था । अभियुक्त ने अपराध किया । अधिनियम में परिवर्तन किया गया व जुर्माने के रूप में दण्ड को बढ़ा दिया गया । न्यायालय ने धारण किया कि बढ़ाया हुआ दण्ड अभियुक्त को नहीं दिया जा सकता । न्यायालय द्वारा लागू किया गया**

- (1) the rule of strict interpretation of penal statute/ दण्डिक विधि के कठोर निर्वचन का सिद्धान्त
- (2) mischief rule/ रिष्टि का नियम
- (3) liberal interpretation rule/ उदार व्याख्या का नियम
- (4) beneficial interpretation rule/ लाभकारी व्याख्या का नियम

Ans [1]

96. **Legal proceedings in relation to matters connected with a temporary Act, after the Act has expired / किसी अस्थायी अधिनियम से सम्बन्धित विषय के बारे में विधिक कार्यवाहियाँ अधिनियम के समाप्त हो जाने के पश्चात्**

- (1) Can not be instituted or continued/ संस्थित की या जारी नहीं रखी जा सकती
- (2) Continued or instituted after the Act has expired/ संस्थित की या जारी रखी जा सकती है
- (3) Can be continued or instituted if saving clause is there/ संस्थित की या जारी रखी जा सकती है यदि व्यावृत्ति खण्ड हो
- (4) Depends upon the discretion of the court / संस्थित की या जाना या जारी रखना न्यायालय के विवेक पर निर्भर करता है

Ans [3]

97. **Regarding the constitutionality of an Act presumption is that/ किसी अधिनियम की संवैधानिकता के बारे में उपधारणा होती है कि**

- (1) it is constitutional/ यह संवैधानिक है
- (2) it is unconstitutional/ यह असंवैधानिक है
- (3) everything depends upon the language of the Act/ सब कुछ अधिनियम में प्रयुक्त भाषा पर निर्भर करता है
- (4) everything depends upon the purpose of the Act/ सब कुछ अधिनियम के प्रयोजन पर निर्भर करता है

Ans [1]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-11  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





98 Rule regarding construction of a welfare statute is that it should be/ कल्याणकारी संविधि के निर्वचन के बारे में नियम है की उसका निर्वचन

- (1) Liberally constructed/ उदारता पूर्वक किया जाना चाहिये
- (2) Constructed on the basis of consequences/ उसके प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिये
- (3) Strictly constructed/ कठोरता पूर्वक करना चाहिये
- (4) Literal meaning rule should be applied/ शाब्दिक व्याख्या की जानी चाहिये

Ans [1]

99. Which one of the following is not correct ?/ निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है ?

A power of a legislature to make law on topics committed to it includes in it the power to/ किसी विधायिका को किन्हीं विषयों पर विधि बनाने की शक्ति में

- (1) Carries with it power to repeal it/ उस विधि के निरस्त करने की शक्ति सम्मिलित है
- (2) Power to repeal is co-extensive with power to enact/ निरस्त करने की शक्ति सहवर्ती है
- (3) The power to bind its successor in future/ अपने उत्तराधिकारी को भविष्य में बाँधने की शक्ति है
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

100. Rule regarding the interpretation of entries in lists of seventh schedule to the Constitution is that they should/ संविधान की सातवीं अनुसूची की सूचियों की प्रविष्टियों की व्याख्या के सम्बन्ध में नियम है की उनका निर्वचन

- (1) be interpreted in pedantic sense/ पांडित्यपूर्वक ढंग से किया जाना चाहिये
- (2) be held to extend to ancillary or subsidiary matters/ सभी आनुषंगिक व सहायक विषयों को सम्मिलित नहीं करते हुए किया जाना चाहिये
- (3) be strictly interpreted/ कठोरता से किया जाना चाहिए
- (4) be given the widest possible and most liberal interpretation/ विस्तृत एवं उदार रूप से किया जाना चाहिये

Ans [4]

101. A provision regarding 'not less than three months notice' is/ कोई प्रावधान जिसमें 'तीन माह से अनधिक' के नोटिस का प्रावधान

- (1) mandatory/ आज्ञापक है
- (2) directory/ निदेशात्मक है
- (3) negative/ नकारात्मक है
- (4) affirmative/ सकारात्मक है

Ans [1]

102. 'Delegatus non potest delegare' means that on whom power to make subordinate legislature is

conferred/'डेलीगेटस नोन पोटेस्ट डेलीगेयर' का अभिप्राय है कि जिसे अधीनस्थ विधायन बनाने की शक्ति दी गई है :

- (1) cannot further delegate/ वह उसे आगे प्रत्यायोजित नहीं कर सकता है
- (2) can further delegate/ वह उसे आगे प्रत्यायोजित कर सकता है
- (3) can further delegate without any limitation/ वह बिना किसी सीमा के उसे प्रत्यायोजित कर सकता है
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

103 If the language of statute is open to more than one construction the Court must try to get the/ यदि संविधि की भाषा की एक से अधिक व्याख्याएँ संभव है तो न्यायालय का प्रयास होना चाहिए कि विधि के पीछे

- (1) Intention of the government/ सरकार के आशय का पता लगाये
- (2) Intention of the members of the legislature who votes for it/ उन विधायकों के आशय का पता लगाये जिन्होंने उस विधि के पक्ष में मत दिया है
- (3) Intention of the legislators who did not vote for it./ उन विधायकों के आशय का पता लगाये जिन्होंने उसके विरुद्ध मत दिया है
- (4) Intention of the legislature/ विधायिका के आशय का पता लगाये

Ans [4]

104. Which one of the following is a limitation of the rule of "strict interpretation of taxing statutes"? / निम्न में से कौन-सी इस नियम की सीमा है कि " कराधान विधियों का कठोर निर्वचन किया जाना चाहिये" ?

- (1) In taxing statute one has to look merely at what is clearly said/ कराधान विधियों में केवल यह देखा जाना चाहिये की स्पष्ट रूप से क्या कहा गया है
- (2) Tax should not be imposed unless the words unambiguously impose tax/ कर तब तक नहीं लगाना चाहिये जब तक की असंदिग्ध रूप से आरोपित न किया गया हो
- (3) No tax can be imposed by inference/ अनुमान के आधार पर कर नहीं लगाना चाहिये
- (4) If the intention to levy the tax is clear by words it will be imposed/ यदि शब्दों से संसद का आशय कर लगाने का स्पष्ट है तो कर लगाना होगा

Ans [4]

105. A proviso in an enactment means/ किसी संविधि में किसी परन्तुक का अभिप्राय है

- (1) an exception to the general rule/ सामान्य नियम का अपवाद
- (2) an explanation to the general rule/ सामान्य नियम की व्याख्या
- (3) an addendum by providing something/ किसी प्रावधान में कुछ जोड़ा जाना

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws

Linking Laws Tansukh Sir Page-12

[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)

[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





(4) a provision stating a general rule/ सामान्य नियम को बताने वाला प्रावधान

**Ans [1]**

**106. What is meant by interpretation statute ?/ स्टेच्यूट (सविधि) के निर्वचन से आप क्या समझते हैं ?**

- (1) Interpretation of a statute by Parliament/ संसद के द्वारा स्टेच्यूट का निर्वचन
- (2) Interpretation of a statute by House of Lords/ हाउस आफ लार्ड्स के द्वारा स्टेच्यूट का निर्वचन
- (3) Interpretation of a statute by the Courts/ न्यायालयों के द्वारा स्टेच्यूट का निर्वचन
- (4) Interpretation of a statute by Rajya Sabha/ राज्यसभा के द्वारा स्टेच्यूट का निर्वचन

**Ans [3]**

**107 What is the mischief rule ?/ रिष्टि का नियम क्या है ?**

- (1) There must be no mischief in court/ न्यायालय में किसी प्रकार की रिष्टि नहीं होनी चाहिए
- (2) Judges should interpret the words literally/ न्यायाधीशों को शाब्दिक अर्थ ( अर्थान्वयन) करना चाहिए
- (3) Judges should look at the mischief which the Act was passed to prevent/ न्यायाधीशों को उस रिष्टि को देखना चाहिए जिसे रोकने के लिए कानून बनाया गया था
- (4) Judges should interpret the words as they see fit/ न्यायाधीशों को शब्दों का अर्थान्वयन जैसा उन्हें उचित लगे वैसा करना चाहिए

**Ans [3]**

**108 What is the doctrine of stare decises ?/ स्टेर डेसाइसिस का सिद्धान्त क्या है ?**

- (1) The doctrine of pardon / माफी का सिद्धान्त
- (2) The doctrine of statutory interpretation/ स्टेच्यूटरी अर्थान्वयन का सिद्धान्त
- (3) The doctrine of parliamentary sovereignty/ संसद की सार्वभौमिकता का सिद्धान्त
- (4) The doctrine of precedent/ पूर्वन्याय का सिद्धान्त

**Ans [4]**

**109 What do you mean by ratio decidendi of a case ?/ वाद में विनिश्चय आधार से आप क्या समझते हैं?**

- (1) The legal reasoning of a case/ वाद का विधिक कारण
- (2) The opening para of a case/ वाद का प्रथम पेरोग्राफ
- (3) The facts of case/ वाद के तथ्य
- (4) The legal representative in a case/ वाद में विधिक प्रतिनिधित्व

**Ans [1]**

**110 Case law means/ वाद विधि का अर्थ है**

- (1) Law passed by parliament/ संसद द्वारा पारित विधि

(2) Law representing the decision of the courts/ न्यायालयों के निर्णयों की प्रतिनिधित्व की विधि

(3) Case law is not really law at all/ वाद विधि वास्तव में कोई विधि नहीं है

(4) Law made by authorities/ प्राधिकारी द्वारा निर्मित विधि

**Ans [2]**

**111. Delegated legislation means/ प्रत्यायोजित विधान का अर्थ है**

- (1) An Act of Parliament/ संसद का अधिनियम
- (2) Law made by delegation/ प्रत्यायोजन द्वारा निर्मित विधि
- (3) Decision given by a court/ न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय
- (4) Law made by authority to whom parliament has delegated the power/ उस प्राधिकारी द्वारा निर्मित विधि जिसे संसद ने प्रत्यायोजन की शक्ति दी थी

**Ans [4]**

**112 "Act of interpretation is the art of proliferating purpose " who said this?/ "निर्वचन की कला एक उद्देश्य को दर्शाने की कला है ।" यह किसने कहा ?**

- (1) Allen/ एलेन
- (2) Salmond/ सामंड
- (3) Kitten/ कीटन
- (4) Francis/ फ्रांसिस

**Ans [1]**

**113 External part of law is not important but..... is important./ विधि का बाह्य भाग महत्वपूर्ण नहीं है लेकिन महत्वपूर्ण है...**

- (1) Logic/ तर्क
- (2) Intention/ आशय
- (3) Substance/ सार
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

**Ans [3]**

**114 "Ejusdem Generis' means/'सजाति' (Ejusdem Generis) से तात्पर्य है**

- (1) The other kind./ अन्य प्रकार
- (2) The same kind/ एकी ही (उसी) प्रकार
- (3) From different kinds/ अन्य प्रकार से (From different kinds )
- (4) Both kinds/ दोनों प्रकार से

**Ans [2]**

**115 'Ultra vires' means/ अधिकारातीत से तात्पर्य है**

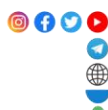
- (1) Internal authority/ आन्तरिक प्राधिकार
- (2) Act done out of authority/ प्राधिकार के इतर किया गया कार्य
- (3) Act done within the authority/ प्राधिकार के अन्दर किया गया कार्य
- (4) Both (2) and (3)/ दोनों (2) व (3)

**Ans [2]**

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-13  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





116 "The function of the judges in interpreting statutes is two fold. First as per exact meaning of what legislature has actually said. Second what the legislature intended to have said". Who said these words?/ "स्टेट्यूट्स के अर्थान्वयन में न्यायाधीशों का कार्य दोहरा है, प्रथम विधायिका ने वास्तव में क्या कहा उसके अनुसार वास्तविक अर्थ, द्वितीय विधायिका ने क्या कहना चाहा है" यह किसने कहा ?

- (1) Salmond/ सामण्ड
- (2) Keeton/ कीटन
- (3) Allen/ एलन
- (4) Gray/ ग्रे

Ans [2]

117 Which of the following cases is related to 'Harmonious Interpretation' ?/ निम्न में से कौन-सा वाद 'सामंजसपूर्ण निर्वचन' से संबंधित है ?

- (1) Shri Ram V. State of Maharashtra, AIR 1961 SC 674/ श्री राम बनाम महाराष्ट्र राज्य, ए. आई. आर. 1961 एस. सी. 674
- (2) Raj Gopalachari V. State of Maharashtra, AIR 1964 SC 1172/ राजगोपालाचारी बनाम महाराष्ट्र राज्य, ए. आई. आर. 1964 एस. सी. 1172
- (3) Jambekar V. State of Gujarat, AIR 1973 SC 309/ जम्बेकर बनाम गुजरात राज्य, ए. आई. आर. 1973 एस. सी. 309
- (4) Bengal Immunity Co. V. State of Bihar, AIR 1955 SC 661/ बंगाल इम्यूनिटी कं. बनाम बिहार राज्य, ए. आ. आर. 1955 एस. सी. 661

Ans [4]

118 In which case the Supreme Court acknowledged that the Indian Constitution had conceived a quasi federal policy?/ उच्चतम न्यायालय ने किस वाद में यह अभिस्वीकार किया कि भारतीय संविधान ने अर्ध संघीयता की कल्पना की है ?

- (1) St. of Punjab V. Devans Modern Breweries Ltd./ पंजाब राज्य बनाम देवानस मार्टन ब्रेवरीज लि.
- (2) Kailash Chand V. Dharam Dass/ कैलाशचन्द बनाम धर्मदास
- (3) Ashok Tanwar V. St. of M.P./ अशोक तंवर बनाम एम. पी. राज्य
- (4) J. P. Bansal V. St. of Rajasthan/ जे. पी. बंसल बनाम राजस्थान राज्य

Ans [1]

119 "Public policy is an unruly horse and dangerous to ride" was observed by/

- (1) Justice Cave J./ न्यायाधीश केव ने
- (2) Justice Burrough J./ न्यायाधीश बरो ने
- (3) Chief Justice Beaumont C. J./ मुख्य न्यायाधीश ब्यामोन्ट ने
- (4) Lord Macnaughtan/ लार्ड मेकनाटन ने

Ans [2]

120 The main principle of interpretation is/ निर्वचन का प्रमुख सिद्धान्त है

- (1) Literal rule of interpretation/ शाब्दिक निर्वचन का सिद्धान्त
- (2) Golden rule/ स्वर्णिय नियम
- (3) Mischief rule/ रिष्टि का नियम
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

121. Additional written statement to be presented within/ अतिरिक्त लिखित कथन प्रस्तुत किया जा सकता है.....दिनों के भीतर ।

- (1) 14 days/14 दिन
- (2) 30 days/30 दिन
- (3) One month/1 महीने में
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं.

Ans [2]

122. Which rule under Order VI of C.P. C. provides for verification of pleadings ?/ सी.पी.सी. के आर्डर VI के किस रूल के तहत अभिवचन के सत्यापन का प्रावधान है ?

- (1) Rule 4
- (2) Rule 17
- (3) Rule 2
- (4) Rule 15

Ans [4]

123. Notice is of how many types ?/ नोटिस कितने प्रकार के होते हैं ?

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

Ans [\*]

124. Under which order and rule of C.P.C. plaintiff has to show in plaint that the defendant is interested in subject matter and that he is liable to be called upon to answer the plaintiff's demand?/ सी.पी.सी. के किस आदेश और नियम के तहत वादी को अपने वाद - पत्र में यह बताना पड़ता है कि प्रतिवादी का वाद की विषय वस्तु में हित है और वह वादी की मांग का जवाब देने के लिये दायित्वाधीन हैं ?

- (1) Order VII, Rule 5/ आर्डर VII, रूल 5
- (2) Order VII, Rule 2/ आर्डर VII, रूल 2
- (3) Order VII, Rule 7/ आर्डर VII, रूल 7
- (4) Order VIII, Rule 2/ आर्डर VIII, रूल 2

Ans [1]

125. Counter claim filed by defendant is to be treated as :/ प्रतिवादी द्वारा दायर प्रतिदावा को..... की तरह माना जाता है।

- (1) a plaint/ एक वाद पत्र
- (2) separate suit/ अलग से दावा

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-14  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for  
RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J,  
HCS (JB), GJS, & Other  
State Judiciary and Law Exams.





- (3) written statement/ लिखित कथन  
(4) both (2) and (3)/ (2) व (3) दोनों

Ans [1]

126. **Plaint can be returned by the Court when/ न्यायालय द्वारा वाद पत्र कब लौटाया जा सकता है ?**

- (1) it has been filed on insufficiently stamped paper./ जब वह अपर्याप्त स्टाम्प पेपर पर दायर किया गया है।  
(2) it has not been accompanied by duplicate copy./ जब वह डुप्लीकेट प्रति के बिना प्रस्तुत किया गया है।  
(3) when it has not been accompanied by affidavit./ जब वह बिना शपथ पत्र के प्रस्तुत किया गया है।  
(4) when it has been filed in a Court having no jurisdiction./ जब वह उस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जिसे क्षेत्राधिकार नहीं है।

Ans [4]

127. **In how many days the defendant has to file a written statement of his defence, from the date of service of summons ?/ समन के तामील की तारीख से प्रतिवादी को अपने बचाव में लिखित कथन कितने दिन में प्रस्तुत करना होता है ?**

- (1) 60 days/ दिन  
(2) 90 days/ दिन  
(3) 30 days/ दिन  
(4) 45 days/ दिन

Ans [3]

128. **Under which Section of C.P.C. appeal is barred against a consent decree ?/ सी. पी. सी. की किस धारा के तहत सम्मति से डिक्री के विरुद्ध अपील का वर्जन किया गया है ?**

- (1) Section/ धारा 96 (1)  
(2) Section/ धारा 96 (2)  
(3) Section/ धारा 96 (3)  
(4) Section/ धारा 96 (4)

Ans [3]

129. **In a civil proceeding an application for review is entertained only on a ground mentioned in/दीवानी कार्यवाही में पुनर्विलोकन की दरखास्त निम्न में से किसमें दर्शित आधार पर ही स्वीकार की जा सकती है?**

- (1) Order XLVII Rule 1 of C.P.C./ आर्डर XLVII रूल 1 सी. पी. सी.  
(2) Order XLVII Rule 2 of C.P.C./ आर्डर XLVII रूल 2 सी.पी.सी.  
(3) Order XLVI Rule 3 of C.P.C./ आर्डर XLVI रूल 3 सी. पी. सी.  
(4) Order XL Rule 1 of C.P.C./ आर्डर XL रूल 1 सी. पी. सी.

Ans [1]

130. **A decree may be executed either by the Court which passed it, or by the Court to which it is sent for**

**execution has been provided under/ सी.पी.सी. की किस धारा के तहत यह विधान किया गया तहत यह विधान किया गया है कि डिक्री का निष्पादन या तो वह न्यायालय कर सकता है जिसने उसे पारित किया है अथवा उस न्यायालय द्वारा जिसके पास उसे निष्पादन के लिये भेजा है ?**

- (1) Section 37 of the CPC/ सी.पी.सी. की धारा 37  
(2) Section 39 of the CPC/ सी.पी.सी. की धारा 39  
(3) Section 38 of the CPC / सी.पी.सी. की धारा 38  
(4) Section 35 of the CPC / सी.पी.सी. की धारा 35

Ans [3]

131. **A plaint can be rejected under/ वादपत्र को किसके तहत खारिज किया जा सकता है ?**

- (1) Order VII Rule 11 of C.P.C. / आर्डर VII रूल 11 सी. पी. सी.  
(2) Order VII Rule 10 of C.P.C./ आर्डर VII रूल 10 सी. पी. सी.  
(3) Order VII Rule 8 of C.P.C./ आर्डर VII रूल 8 सी. पी. सी.  
(4) Order VII Rule 12 of C.P.C./ आर्डर VII रूल 12 सी. पी. सी.

Ans [1]

132. **The list of witnesses after settlement of issues must be filed within the period of/ ईश्यूज निर्धारण के कितने दिन बाद गवाहों की सूची प्रस्तुत कर दी जानी चाहिये ?**

- (1) 30 days/ दिन  
(2) 60 days/ दिन  
(3) 45 days/ दिन  
(4) 15 days/ दिन

Ans [4]

133. **A receiver is an : / एक रिसीवर है :**

- (1) agent of defendant/ प्रतिवादी का प्रतिनिधि  
(2) agent of plaintiff/ वादी का प्रतिनिधि  
(3) agent of both plaintiff and defendant/ वादी और प्रतिवादी दोनों का प्रतिनिधि  
(4) officer of the Court/ न्यायालय का अधिकारी

Ans [4]

134. **Temporary injunction can be granted by court:/ अस्थाई निषेधाज्ञा न्यायालय द्वारा कब स्वीकार की जा सकती है ?**

- (1) after service of notice to other party/ दूसरे पक्षकार को नोटिस की तामील के पश्चात्  
(2) after hearing both the parties/ दोनों पक्षकारों को सुनने के पश्चात्  
(3) after hearing the applicant only/ सिर्फ प्रार्थी को सुनने के पश्चात्  
(4) either (1) or (2)/ या तो (1) या (2)

Ans [\*]

135. **'Conveyancing' means:/ 'अभिहस्तान्तरण' से अभिप्राय है :**

- (1) Drafting or framing of a document or instrument which is related to transfer of property/ दस्तावेज या विलेख का प्रारूपण या रचना, जो सम्पत्ति के अन्तरण से सम्बन्धित हों

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-15  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





- (2) Writing an application for remedy/ उपचार के लिये आवेदन पत्र लिखना
- (3) Prayer to Court for transfer of case/ वाद अन्तरण हेतु न्यायालय को प्रार्थना
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans [1]

**136 A draftsman must know/ दस्तावेज लेखक को जानना चाहिए**

- (1) The substantive law relating to the deed/ दस्तावेज से सम्बन्धित मौलिक विधि
- (2) The procedural law relating to the deed/ दस्तावेज से सम्बन्धित प्रक्रियात्मक विधि
- (3) The substantive as well as procedural law relating to deed/ दस्तावेज से सम्बन्धित मौलिक तथा प्रक्रियात्मक विधि
- (4) Only the facts and the art of writing the deed/ केल तथ्य तथा दस्तावेज लेखन की कला

Ans [3]

**137 The 'Title' as a part of the instrument is/ दस्तावेज के भाग के रूप में शीर्षक**

- (1) Required by law/ विधि द्वारा अपेक्षित है
- (2) Not required by law but it is convenient thing to have it in a legal instrument for identifying its nature by mere look at its top/ विधि द्वारा अपेक्षित नहीं है लेकिन विधिक दस्तावेज में यह होना सुविधाजनक है क्योंकि एक दृष्टि में ही इससे दस्तावेज की प्रकृति का पता लग जाता है
- (3) Title is decisive of its nature/ शीर्षक दस्तावेज की प्रकृति का निर्णायक होता है
- (4) All the three above are correct/ उपरोक्त तीनों ही सही हैं

Ans [2]

**138 When a draftsman begins with drafting a notice the first thing he is required to mention is/ जब कोई दस्तावेज लेखक किसी नोटिस ( सूचना - पत्र ) का प्रारूप बनाना प्रारंभ करता है तो प्रथम बात जिसका नोटिस में उल्लेख किया जाना चाहिये वह है .**

- (1) Persons from whom and to whom notice is being given/ वे व्यक्ति जिनके द्वारा व जिन्हें नोटिस दिया जा रहा है
- (2) The subject to which the notice is substantially related/ वह विषय जिससे नोटिस सारभूत रूप से सम्बन्धित है
- (3) The reference of the provision of law. under which the notice is being given/ विधि के उस प्रावधान का सन्दर्भ जिसके अन्तर्गत नोटिस दिया जा रहा है
- (4) The matter of the notice/ नोटिस की विषय वस्तु

Ans [3]

**139 Codicil means :/ कोडिसिल ( codicil) का अभिप्राय है :**

- (1) An instrument which cancels a will/ कोई दस्तावेज जो किसी इच्छापत्र को रद्द करता है

- (2) An instrument which withholds the will earlier written/ कोई दस्तावेज जो पूर्व में लिखे इच्छापत्र का प्रतिसंहरण करता है
- (3) An instrument which states the facts which make the will invalid/ कोई दस्तावेज जो ऐसे तथ्यों को बताता है जिससे इच्छा पत्र अवैधानिक हो जाता है
- (4) An instrument explaining, altering, adding to the will and forms part of the will/ कोई दस्तावेज जो इच्छापत्र की व्याख्या करता है, उसमें परिवर्तन करता है, तथा इच्छा पत्र का भाग बन जाता है

Ans [4]

**140 Which one of the following is correct ?/ निम्नलिखित में से कौन-सा सही है ?**

**For the purpose of making a gift of immovable property/ अचल सम्पत्ति का दान करने के लिये**

- (1) The transaction should be written only/ संव्यवहार का लिखित में होना अनिवार्य है
- (2) The instrument does not require registration/ दस्तावेज का पंजीकृत होना आवश्यक नहीं है
- (3) Attestation is not required/ दस्तावेज का अनुप्रमाणन आवश्यक नहीं है
- (4) The instrument must be registered and properly attested by at least two persons as witness/ दस्तावेज का पंजीकरण होना आवश्यक है तथा कम से कम दो साक्षियों द्वारा अनुप्रमाणित होना आवश्यक है

Ans [4]

**141 Which one of the following is not a fundamental rule of pleadings ?/ निम्नलिखित में से कौन - सा अभिवचन का मूलभूत नियम नहीं है ?**

- (1) That every pleading must state facts and not law/ कि प्रत्येक अभिवचन में तथ्यों का कथन होना चाहिये विधि का नहीं
- (2) That it must state all material facts and material facts only/ कि अभिवचन में सभी महत्वपूर्ण तथ्यों व केवल महत्वपूर्ण तथ्यों का ही कथन होना चाहिये
- (3) That it must state facts and not evidence/ कि अभिवचन में तथ्यों का कथन होना चाहिये साक्ष्य का नहीं
- (4) That it must state facts in detail/ कि इसमें तथ्यों का कथन विस्तार से किया जाना चाहिये

Ans [4]

**142 Which of the following provisions lays down that any matter which might have been made ground of defence or attack in a former suit but has not been made shall be deemed to have been a matter directly and substantially in issue in such suit/ निम्नलिखित में से कौन - सा प्रावधान यह कहता है कि कोई बात जो किसी पूर्ववर्ती वाद में आक्रमण या बचाव का आधार बनाई जा सकती थी पर नहीं बनाई गई वह ऐसे माना जायेगा जैसे उस वाद में वह प्रत्यक्ष रूप से व सारभूत रूप से विवादग्रस्त थी**

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-16  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.







- (1) Section 9 of the C. P. C./ धारा 9 व्यवहार प्रक्रिया संहिता
- (2) Section 10 of the C.P.C./ धारा 10 व्यवहार प्रक्रिया संहिता
- (3) Section 11 of the C.P.C./ धारा 11 व्यवहार प्रक्रिया संहिता
- (4) Section 12 of the C.P.C./ धारा 12 व्यवहार प्रक्रिया संहिता

Ans [3]

143. Which of the following pleadings will be struck out/ निम्न में से किस प्रकार के अभिवचन को हटा दिया ( strike out ) जायेगा ?

- (1) Unnecessary/ अनावश्यक
- (2) Scandalous/ कलंकदायक
- (3) Frivolous or vexatious/ तुच्छ व कलंकदायक
- (4) All the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

144 Any matter of fact which the court presumes in favour of any party and the burden of proof that lies on other side/ तथ्य के किसी भी विषय का जिसकी न्यायालय किसी पक्षकार के पक्ष में उपधारणा करता है तथा जिसके साबित किये जाने का भार दूसरे पक्ष पर होता है :

- (1) Should be alleged in the pleading/ अभिवचन में कथन किया जाना अनिवार्य है
- (2) Should not be alleged in the pleading/ अभिवचन में कथन किया जाना अनिवार्य नहीं है
- (3) Should not be alleged but if it is specifically denied by the other party than it should be alleged in the pleading/ कथन किया जाना अनिवार्य नहीं है परन्तु यदि उससे विशेष रूप से इनकार किया गया है तो अभिवचन में उसका कथन किया जाना चाहिये
- (4) There is no specific rule regarding this/ इससे सम्बन्धित कोई विशिष्ट नियम नहीं है

Ans [3]

145 A party can amend his pleading as provided under :/ पक्षकार अपने अभिवचन का संशोधन कर सकते है :

- (1) Order 6, Rule 16/ आदेश 6, नियम 16
- (2) Order 6, Rule 18/ आदेश 6, नियम 18
- (3) Order 6, Rule 17/ आदेश 6, नियम 17
- (4) Order 6, Rule 6/ आदेश 6, नियम 6

Ans [3]

146 Pleading can be amended :/ अभिवचन में संशोधन किया जा सकता है :

- (1) Before the trial court/ विचारण न्यायालय के समक्ष
- (2) Before the first appellate court/ प्रथम अपिलीय न्यायालय के समक्ष
- (3) Before the second appellate court/ द्वितीय अपिलीय न्यायालय के समक्ष
- (4) All of the above/ उपरोक्त सभी

Ans [4]

147. Pleading must be signed by the: / अभिवचन हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए :

- (1) Party/ पक्षकारों द्वारा
- (2) Pleader/ अभिवक्ता द्वारा
- (3) Party and his pleader/ पक्षकारों व अभिवक्ता द्वारा
- (4) None of the above/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [3]

148 A plaint has to be presented in:/ वाद पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए :

- (1) Single copy/ एक मात्र प्रतिलिपि में
- (2) Duplicate/ दो प्रतिलिपियों में
- (3) Triplicate/ तीन प्रतिलिपियों में
- (4) Depends on the no. of defendants/ प्रतिवादियों की संख्या के आधार पर

Ans [2]

149 Who shall produce the evidence first ?/ साक्ष्य सर्वप्रथम कौन प्रस्तुत करेगा ?

- (1) plaintiff/ वादी
- (2) defendant/ प्रतिवादी
- (3) either plaintiff or defendant/ या तो वादी या प्रतिवादी
- (4) as directed by the court/ न्यायालय के आदेशानुसार

Ans [1]

150 The term pleading is defined under:/ अभियोजन परिभाषित है :

- (1) Order 6, Rule 1/ आदेश 6, नियम 1
- (2) Order 6, Rule 2/ आदेश 6, नियम 2
- (3) Order 6, Rule 3/ आदेश 6 नियम 3
- (4) Order 6, Rule 4/ आदेश 6, नियम 4

Ans [1]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)



Scan this QR Code to get Linking E-Study Material [Click Here](#)



Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir Page-17  
[www.LinkingLaws.com](http://www.LinkingLaws.com)  
[Get Subscription Now](#)

Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.





# Linking Laws

"Link the Life with Law"



## Why Linking Laws?



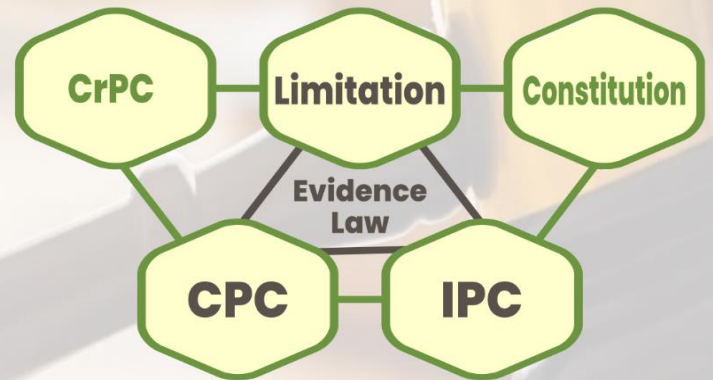
Scan this QR Code to buy Linking Publications.

### Online Platform For Judiciary Exam Preparation



- Legal Debate Competition.
- Judges / Senior Advocates Interview Session.
- Previous Exam Papers Bird View.
- Test Series (Pre. & Mains)
- Mock Interview & Many More.

### INTER LINKING



Linking Charts

## Linking Charts & Paperathon Booklets

now available at



Linking App



Scan this QR to install the Linking App



Major Laws Linking Chart



Alpha Minor Amendment Linking Chart